

Mantras Om Purnamadah do Brihadaranyaka Upanishad

ॐ पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते ।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते ॥
ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

*om pūrṇamadaḥ pūrṇamidaṁ pūrṇāt pūrṇamudacyate /
pūrṇasya pūrṇamādāya pūrṇamevāvaśiṣyate //
om śāntiḥ śāntiḥ śāntiḥ //*

Om. Isso é perfeito. Isto é perfeito.
Do perfeito surge o perfeito.
Se do perfeito se tira o perfeito,
permanece o perfeito.

Om. Paz! Paz! Paz!



© SYDA Foundation®. Todos os direitos reservados.

Bṛhadāranyaka Upaniṣad 5.1.1; trad. em O néctar do canto (Rio de Janeiro, RJ: Siddha Yoga Dham Brasil, 1998), p. 68.